

# डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 20, 2 सैमुअल 8-10

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 20, 2 सैमुअल 8-10, युद्ध लड़ना और एक वादा निभाना है। डेविड ने राजत्व के लिए एक आदर्श स्थापित किया।

इस पाठ में हम 2 सैमुअल अध्याय 8, 9, और 10 को देखेंगे। मैंने इस खंड का शीर्षक रखा है, युद्ध लड़ना और वादा निभाना। डेविड ने राजत्व का एक आदर्श स्थापित किया।

तो फिर, 2 शमूएल 8 से 10, युद्ध लड़ना और वादा निभाना। डेविड ने राजत्व का एक आदर्श स्थापित किया। जैसे ही अध्याय 8 शुरू होता है, अब प्रभु ने दाऊद के साथ एक वाचा बाँधी है, 2 शमूएल अध्याय 7, एक अपरिवर्तनीय वादा।

और अब अध्याय 8 में, डेविड फिर से युद्ध करने जा रहा है। याद रखें कि वह वादा तब किया गया था जब प्रभु ने दाऊद को उसके सभी शत्रुओं से विश्राम दिया था, लेकिन वह लड़ाई में केवल एक शांति थी। वादे के अंतर्गत, प्रभु उस समय की प्रतीक्षा कर रहे थे जब वह दाऊद और उसके वंश और राष्ट्र को अधिक स्थायी विश्राम देंगे।

परन्तु दाऊद युद्ध में वापस आ गया है, और इस दौरान दाऊद ने पलिशतियों को हरा दिया और उन्हें अपने वश में कर लिया। और इस अध्याय में हम जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि डेविड उन दुश्मन लोगों को हराने जा रहा है जो सभी सीमाओं पर इज़राइल को धमकी देते हैं। निःसंदेह, पलिशती भूमध्यसागरीय तट के साथ, इज़राइल और यहूदा के पश्चिम में स्थित हैं।

तो, उसने इन पश्चिमी लोगों को हरा दिया है। और फिर पद 2 में, हम पढ़ने जा रहे हैं कि दाऊद ने मोआबियों को कैसे हराया। निःसंदेह, मोआबी जॉर्डन के पूर्व की ओर रहते हैं।

इसलिए, दाऊद पश्चिम और पूर्व में इस्राएल के शत्रुओं को हरा रहा है। और फिर अध्याय का एक बड़ा हिस्सा अरामियों के साथ डेविड के युद्धों के बारे में बात करता है। और अरामी लोग उत्तर-पूर्व की अपेक्षा उत्तर में अधिक स्थित हैं।

इसलिए, वह उन्हें हराने जा रहा है और उस क्षेत्र में इज़राइल की सीमाओं को सुरक्षित करेगा। और फिर बाद में अध्याय में वह एदोमियों को भी हराने जा रहा है। और एदोमी इस्राएल के दक्षिण और पूर्व में अधिक स्थित हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि अध्याय डेविड को एक विजयी राजा के रूप में चित्रित करता है जो इज़राइल और प्रभु के युद्ध लड़ रहा है। और वह पश्चिम, पूर्व, उत्तर और दक्षिण में इज़राइल की सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है। वह उन सभी दिशाओं में सफल है।

इजराइल, तब भी, अब की तरह, एक कमजोर स्थिति में था। और इसलिए, डेविड राष्ट्र को सुरक्षा प्रदान करने में प्रभु के साधन के रूप में सेवा कर रहा है। यह एक कठिन समय था, एक ऊबड़-खाबड़ दुनिया थी।

और आयत 2 में हम पढ़ते हैं कि दाऊद ने मोआबियों को हराने के बाद उनके साथ कैसा व्यवहार किया। और उस ने उनको भूमि पर लिटा दिया, और एक लम्बी डोरी से उनको नापा। और उनमें से हर दो लम्बाई को मार डाला गया और तीसरी लम्बाई को जीवित रहने दिया गया।

यह युद्धकालीन अत्याचार जैसा लगता है। इस प्रकार, मोआबी लोग दाऊद के अधीन हो गये और उसे कर देने लगे। डेविड उन्हें पूरी तरह मिटाना नहीं चाहता।

वह वहां मोआबी राज्य को एक बफर के रूप में और श्रद्धांजलि देने वाली प्रजा के रूप में भी रखना चाहता है। लेकिन फिर भी, उसे इन मोआबियों के साथ कुछ करना होगा जिन्हें पकड़ लिया गया है और वह उनकी सेना को किसी और दिन फिर से लड़ने के लिए घर नहीं भेज सकता है। इसलिए यह कठिन समय था और हताशा भरे कदम उठाने की जरूरत थी।

इस बात का कोई संकेत नहीं है कि प्रभु ने उसे ऐसा करने का आदेश दिया था। और इसलिए हम बहस कर सकते हैं कि यह सही था या गलत। वास्तव में, यदि आप कनानियों के अलावा अन्य लोगों के साथ युद्ध से संबंधित पुराने नियम के कानून को देखते हैं, जिन्हें नष्ट किया जाना था, तो आपको इन राष्ट्रों को शांति की पेशकश करनी चाहिए।

और फिर यदि वे उस प्रस्ताव को अस्वीकार करते हैं, तो आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप उन्हें मिटा दें। तो ऐसा प्रतीत होता है कि डेविड यहां किसी प्रकार का आधा-अधूरा उपाय कर रहा है। मैं यह तर्क देने जा रहा हूँ कि पवित्रशास्त्र के इस खंड में डेविड अधिकांशतः प्रभु का आज्ञाकारी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसने जो कुछ भी किया वह सही था।

इसलिए यह पढ़कर थोड़ी परेशानी होती है कि उन्होंने इस स्थिति को कैसे संभाला। इस प्रकार की स्थितियों के बारे में कानून ने जो कहा है, यह उसके अनुरूप नहीं है और इसलिए इसका आकलन करना थोड़ा मुश्किल है। पद 3 में, दाऊद एक हृदयभंग को हराने जा रहा है जो एक अरामी राजा है।

और उसने इस राजा के रथों और सारथियों को पकड़ लिया। और उन रथों को अपना बनाने के बजाय, दाऊद ने रथ के सौ घोड़ों को छोड़कर बाकी सभी घोड़ों की हड्डियाँ काट दीं। जब आप घोड़े की हैमस्ट्रिंग करते हैं, तो वह वास्तव में दौड़ने में सक्षम नहीं होता है जैसा कि इन रथ के घोड़ों को करना पड़ता है, लेकिन घोड़ों को अभी भी काम के लिए वजन ढोने वाले जानवरों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

लेकिन डेविड निश्चित रूप से यहां कार्यक्रम के अनुरूप है, हालांकि हम पूछ सकते हैं कि उसने उनमें से सौ को क्यों रखा? क्या उसने छोटी रथ सेना रखी थी? हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं। लेकिन याद रखें कि राजा के पुराने नियम के कानून में, राजा से घोड़ों की संख्या बढ़ाने की अपेक्षा नहीं की जाती है। और ऐसा करने का कारण एक रथ सेना की स्थापना करना होगा।

और इसलिए, डेविड यहाँ आज्ञाकारी है। वह प्रभु की आज्ञा का पालन कर रहा है। और यह एक विषय है जो पुराने नियम में चलता है, कि प्रभु रथों और रथ के घोड़ों से श्रेष्ठ है।

निकट पूर्वी दुनिया में, प्रमुख शक्तियों के पास रथ सेनाएँ थीं। यह वही है जो उनके पास था। हितियों, मिश्रियों, बाद में अशूरियों और बेबीलोनियों के पास रथ सेना थी।

लेकिन प्रभु ने मूल रूप से इज़राइल से कहा, तुम्हें पैदल सेना से पैदल सेना से लड़ना होगा, और तुम्हें जीत के लिए मुझ पर भरोसा करना होगा। और इसलिए दाऊद के कार्य उस नीति के अनुरूप हैं जो प्रभु ने निर्धारित की थी। और लाल सागर तक वापस जाकर, प्रभु ने रथों और रथ के घोड़ों पर अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित की।

याद रखें कि फिरौन की सेना समुद्र में नष्ट हो गई थी। और बाद में यहोशू ने कनानियों को उनके रथों से हरा दिया, और उसने वास्तव में रथ के घोड़ों की टांगें काट दीं। और इसलिए यह लगभग वैसा ही है जैसे डेविड यहाँ जोशुआ के नक्शेकदम पर चल रहा है, और शायद उसे एक नए जोशुआ के रूप में चित्रित किया जा रहा है, जो प्रभु की विजय को उस अनुपात तक बढ़ा रहा है जो जोशुआ ने हासिल किया था, और शायद उससे भी आगे।

इसलिए, मुझे लगता है कि डेविड यहाँ अधिकांशतः प्रभु की नीति का आज्ञाकारी है। पद 5 के अनुसार दमिश्क के अरामी लोग हदद एज़्रा की सहायता के लिए आए, और दाऊद ने उन्हें मार डाला और दमिश्क के अरामी साम्राज्य में सेनाएँ तैनात कर दीं। और अरामी उसके वश में हो गए और कर देने लगे।

और फिर हमें याद दिलाया जाता है कि डेविड की जीत की असली कुंजी किसी प्रकार की विशेष सैन्य शक्ति नहीं थी जो उसके पास रही होगी। उसके पास कोई रथ नहीं था, लेकिन उसने ऐसे शत्रु को हरा दिया जिसके पास रथ था। और हमें याद दिलाया जाता है कि जहाँ भी दाऊद गया, प्रभु ने उसे विजय दिलाई।

और यही बात आयत 14 में कही जाएगी जब वह एदोमियों को हरा देगा, और वे दाऊद के अधीन हो जाएंगे। दक्षिणी सीमा पर अधिक, जहाँ भी वह गया, प्रभु ने विजय दी। इसलिए, लेखक हमें यह याद दिलाने में बहुत सावधानी बरत रहा है कि डेविड की ये जीतें डेविड की किसी विशेष महानता के कारण नहीं हैं, बल्कि यह प्रभु हैं जो उसे आशीर्वाद दे रहे हैं और उसे ये जीत हासिल करने की अनुमति दे रहे हैं।

हम पद 7 में पढ़ते हैं कि दाऊद ने हदद एज़्रा के अधिकारियों की सोने की ढालें ले लीं और उन्हें यरूशलेम ले आया। और फिर वह शहर में बहुत सारा कांस्य लाता है। सबसे पहले, यह थोड़ा परेशान करने वाला है क्योंकि राजा के कानून में व्यवस्थाविवरण को याद रखें, उसे रथ सेना के निर्माण के लिए घोड़ों को जमा नहीं करना चाहिए।

उसे धन, सोना और चांदी भी जमा नहीं करना चाहिए। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए। और ऐसा प्रतीत होता है कि डेविड ऐसा कर रहा होगा, लेकिन वास्तव में नहीं।

हम पद 9 और 10 में उसके पास आने वाले अधिक सोने और चाँदी के बारे में पढ़ते हैं। लेकिन फिर ध्यान दें कि पद 11 में दाऊद क्या करता है। राजा दाऊद ने इन वस्तुओं को प्रभु को समर्पित किया जैसा कि उसने सभी राष्ट्रों से चाँदी और सोने के साथ किया था। उसने एदोम और मोआब, अम्मोनियों, पलिशतियों और अमालेकियों को अपने वश में कर लिया था।

उसने सोबा के राजा रेहोव के पुत्र हदद एज्रा से लूटी गई लूट को भी समर्पित किया। इसलिए, दाऊद यह सारा सोना और चाँदी लेता है और इसे प्रभु को समर्पित करता है। और मुझे यकीन है कि इसका उपयोग बाद में सुलैमान ने मंदिर के निर्माण में किया था।

और इसलिए, पद 13 में दाऊद प्रसिद्ध हो जाता है। याद रखें, प्रभु ने 2 शमूएल 7, पद 9 में कहा था, कि वह दाऊद का नाम महान करेगा। और हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं।

उनका नाम प्रसिद्ध एवं महान होता जा रहा है। डेविड ने अपने लिए नाम कमाया। और इसलिए प्रभु इस संदर्भ में दाऊद से किया गया अपना वादा पूरा कर रहे हैं।

और दाऊद इन स्थानों पर सेनाएँ तैनात कर रहा है और यहोवा उसे जीत दिला रहा है। और इसलिए, डेविड मूल रूप से यहां एक राज्य स्थापित कर रहा है। पद 15 में दाऊद ने समस्त इस्राएल पर शासन किया।

और ध्यान दें कि यह क्या कहता है, वह करना जो उसके सभी लोगों के लिए उचित और सही था। और निस्संदेह, प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया में, यह सुनिश्चित करना राजाओं की ज़िम्मेदारी है कि उनके राज्य में न्याय कायम रहे। और डेविड वही कर रहा है।

तो, देखो डेविड क्या कर रहा है। वह इजराइल को सुरक्षित बना रहा है। वह अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, पश्चिम और पूर्व तथा उत्तर और दक्षिण के दुश्मनों को हरा रहा है।

वह एक बड़ी रथ सेना बनाने से इनकार कर रहा है। वह उस संबंध में ड्यूटेरोनोमिक नीति का पालन कर रहा है। हालाँकि उसके पास ढेर सारा सोना, चाँदी और काँसा आ रहा है, फिर भी वह उसे अपने बैक खाते में नहीं डाल रहा है।

वह उसे भगवान और भगवान की सेवा को समर्पित कर रहा है। और एक बार फिर, मुझे लगता है कि ड्यूटेरोनोमिक नीति का पालन करते हुए, बहुत सारा धन इकट्ठा करने की कोशिश नहीं की जा रही है जिसका उपयोग वह गठबंधनों और उस तरह की चीज़ों को सूचित करने के लिए कर सकता है। इसलिए डेविड यहां अच्छा कर रहे हैं।

प्रभु उसे महान विजय दे रहे हैं। और फिर हम अध्याय नौ पर आते हैं। और डेविड एक प्रश्न पूछता है।

क्या शाऊल के घराने में अब भी कोई बचा है जिस पर मैं योनातान की खातिर दया या वफ़ादारी दिखा सकूँ? दाऊद को याद है कि उसने शाऊल और जोनाथन से भी प्रतिज्ञा की थी कि वह

जोनाथन की संतान पर दया और अनुग्रह करेगा। लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था में, शाऊल के वंशज नष्ट हो गए हैं। और योनातान आप ही युद्ध में मारा गया।

और इसलिए, डेविड सोच रहा है, मैं वास्तव में वह वादा निभाना चाहता हूँ जो मैंने जोनाथन से किया था। क्या शाऊल के घराने में कोई बचा है जिस पर मैं योनातन के लिये अनुग्रह कर सकूँ ? और आयत दो में हमें बताया गया है, शाऊल के घराने का सीबा नाम का एक सेवक था। और उन्होंने उसे दाऊद के सामने उपस्थित होने के लिये बुलाया।

और राजा ने उस से कहा, क्या तू सीबा है? और वह कहता है, आपकी सेवा में। और इसलिए, डेविड इस व्यक्ति से पूछेगा, उसे लगता है कि उसे पता चल जाएगा। और राजा ने पूछा, क्या शाऊल के घराने में से अब तक कोई जीवित नहीं है, जिस पर मैं परमेश्वर की कृपा कर सकूँ? और यह दिलचस्प है कि जोनाथन ने, 1 सैमुअल 2014 में, डेविड से उसे प्रभु की तरह या प्रभु जैसी दयालुता दिखाने के लिए कहा।

और डेविड यहां उस प्रकार की शब्दावली का उपयोग कर रहा है। उनका कहना है कि मैं शाऊल के कुछ वंशजों पर ईश्वर जैसी दयालुता दिखाना चाहता हूँ। यहोवा या भगवान शब्द का उपयोग नहीं करता है, बल्कि ईश्वर शब्द का उपयोग करता है, लेकिन यह उसी तर्ज पर है।

और इसलिए दाऊद जोनाथन के वंशजों को इस प्रकार की वफादारी दिखाना चाहता है। सीबा ने उत्तर दिया, योनातान का एक पुत्र अब भी है। वह दोनों पैरों से लंगड़ा है।

और याद रखें पहले, उसका उल्लेख किया गया था। उनके बारे में एक संक्षिप्त संक्षिप्त टिप्पणी थी कि जब वह सिर्फ एक बच्चा था तो उसकी नर्स ने उसे छोड़ दिया था और वह दोनों पैरों से लंगड़ा हो गया था। कहाँ है वह? राजा ने पूछा।

लोदबार में अमीएल के पुत्र माकीर के घर में है। और इसलिए, राजा दाऊद उसे वहां से ले आया। और यह व्यक्ति जिससे हमें पहले संक्षेप में परिचित कराया गया था, मपीबोशेत, जो योनातान का पुत्र, शाऊल का पोता, दाऊद के पास आता है और वह उसे सम्मान देने के लिए झुकता है।

और दाऊद ने उत्तर दिया, हे मपीबोशेत, मैं तेरी सेवा में हूँ। और आपको आश्चर्य होगा कि वह क्या सोच रहा है। परन्तु दाऊद कहता है, मत डर, क्योंकि मैं तेरे पिता योनातान के कारण निश्चय तुझ पर कृपा करूँगा।

मैं तुम्हारे दादा शाऊल की सारी भूमि तुम्हें लौटा दूँगा, और तुम सदैव मेरी मेज पर भोजन करोगे। इसलिये, दाऊद मपीबोशेत को वह भूमि देने जा रहा है जो शाऊल की थी। और वह मपीबोशेत का भरण-पोषण भी करेगा।

और वह शाही दरबार में नियमित अतिथि बनकर दाऊद के साथ भोजन करेगा। तब मपीबोशेत ने दण्डवत् करके कहा, तेरा दास क्या है, कि तू मुझ जैसे मरे हुए कुत्ते पर ध्यान दे? मपीबोशेत

की आत्म-छवि वास्तव में अच्छी नहीं है, और वह यहाँ भी विनम्र है। तब राजा ने शाऊल के भण्डारी सीबा को बुलाया, जिसने दाऊद को यह सूचना दी थी।

और उस ने उस से कहा, मैं ने तेरे स्वामी के पोते को शाऊल और उसके घराने का सब कुछ दे दिया है। और फिर दाऊद अब सीबा और उसके परिवार को मपीबोशेत की देखभाल करने के लिए नियुक्त करने जा रहा है। क्योंकि फिर से, मेपीबोशेत विकलांग है, और इसलिए वह अपने लिए बहुत कुछ नहीं कर सकता है।

तू और तेरे पुत्र और सेवक उसके लिये भूमि पर खेती करना, और उपज उपजाना, जिस से तेरे स्वामी के पोते का भरण पोषण हो सके। और तेरे स्वामी का पोता मपीबोशेत सदैव मेरी मेज पर भोजन किया करेगा। सीबा के पन्द्रह बेटे और बीस नौकर थे।

तो, उसके पास यहाँ काफी स्टाफ है। उनके पास एक अच्छी टीम है। और इसलिए, वे मेपीबोशेत की जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम होंगे।

और सीबा ने राजा को विश्वास दिलाया, कि जो कुछ मेरा प्रभु राजा आपके दास को आज्ञा दे वहीं तेरा दास करेगा। और इसलिए, मपीबोशेत राजा के पुत्रों में से एक की तरह दाऊद की मेज पर खाता है। और फिर हमें उसके बारे में थोड़ा और बताया गया और यह तथ्य भी बताया गया कि वह दोनों पैरों से लंगड़ा था।

तो, यह एक सकारात्मक बात है। देखो, दाऊद ने इस्राएल की सीमाएं सुरक्षित कर ली हैं। उसने ढेर सारा धन संचय करने के लिए रथ सेना बनाने के प्रलोभन का विरोध किया है।

उसने उस सबका विरोध किया है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि इस्राएली अदालतों में न्याय हो। एक राजा के रूप में वह इसके बारे में चिंतित हैं।

और अब हम उसे वफादार और वफ़ादार के रूप में देखते हैं और शाऊल और जोनाथन के वंशज तक पहुँचते हैं और उस पर बहुत एहसान दिखाते हैं। और फिर, अगर हम डेविड की माफी, डेविड के लिए, डेविड के बचाव के संदर्भ में सोच रहे हैं, क्योंकि बाद में हम अभी भी बिन्यामीनियों को डेविड पर शाऊल के घराने के खिलाफ अत्याचार करने का आरोप लगाते हुए देखेंगे। नहीं, हम दाऊद को फिर से देखते हैं, जो शाऊल का एक वफादार सेवक है, वास्तव में, अभी भी शाऊल और निश्चित रूप से जोनाथन के प्रति अनुग्रह दिखा रहा है और अपना वादा निभा रहा है।

तो, डेविड यहाँ अच्छे दिख रहे हैं। यह सब सकारात्मक है। फिर हम अध्याय 10 पर आते हैं और हम पढ़ते हैं कि समय के साथ, अम्मोनियों का राजा मर गया और उसका पुत्र हानून उसके स्थान पर राजा बना।

और इसलिए, डेविड ने कहा, डेविड ने सोचा, मैं दया दिखाऊंगा। मैं नकाश के पुत्र हानून के प्रति निष्ठा दिखाऊंगा, जैसे उसके पिता ने मुझ पर दया की। मैं सोचता हूँ कि उनके पास जो कुछ था, उनमें एक तरह की संधि थी, एक संधि संबंध था, एक आपसी वफादारी थी।

और इसलिए, डेविड इस नए राजा तक पहुंचने जा रहा है और दिखाएगा कि वह एक वफादार संधि भागीदार है। और इसलिए, डेविड ने अपने पिता के संबंध में हानून के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। एक बार फिर, मुझे लगता है कि डेविड को यहां बहुत सकारात्मक रूप में चित्रित किया गया है।

लेकिन कभी-कभी जब आप दयालुता के साथ लोगों के पास पहुंचते हैं, तो वे दयालुता के साथ प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। और जब दाऊद के लोग अम्मोनियों के देश में आए, तब अम्मोनियों के सरदारोंने हानून से कहा, हे प्रभु, क्या तू समझता है, कि दाऊद तेरे पास सहानुभूति प्रकट करने के लिये दूत भेजकर तेरे पिता का आदर कर रहा है? मुझे लगता है कि प्रश्न का आशय यह है कि क्या आप सचमुच इसे खरीदने जा रहे हैं? क्या आपको लगता है कि डेविड इस सब में ईमानदार है? क्या दाऊद ने उन्हें तुम्हारे पास केवल नगर का पता लगाने, उसकी जासूसी करने और उसे उखाड़ फेंकने के लिये ही नहीं भेजा है? आपने शायद नोटिस किया होगा कि डेविड के करियर में उन पर खूब झूठे आरोप लगते हैं। एक नेता के रूप में उन पर बहुत झूठे आरोप लगते हैं और उन्हें भगवान पर भरोसा करना पड़ता है।

तो हानून स्पष्ट रूप से उस पर विश्वास करता है जो इन सलाहकारों ने उसे बताया था। डेविड ईमानदार नहीं है। वह बस हमारे शहर को उखाड़ फेंकने के इरादे से उसकी जासूसी करने के लिए स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

तो, हानून क्या करता है? वह दाऊद के दूतों या संदेशवाहकों को पकड़ लेता है, और प्रत्येक व्यक्ति की आधी दाढ़ी काट देता है। अब इस संस्कृति में दाढ़ी एक प्रतीक थी। इसने पुरुष पहचान का संकेत दिया।

और यह संस्कृति, ये प्राचीन संस्कृतियाँ, आज की कई संस्कृतियों की तरह, बहुत सम्मान-शर्मनाक संस्कृतियाँ थीं। और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा होना एक भयानक बात थी। और इसलिए, आधी दाढ़ी काटकर, आप इन लोगों को शर्मिंदा कर रहे हैं।

उन्हें अपनी पूरी दाढ़ी काटनी होगी और उसे फिर से बढ़ाना होगा। और ये शर्मनाक माना जाएगा। वह यहीं नहीं रुके।

उसने उनके वस्त्र नितंबों तक काट डाले और उन्हें विदा किया। और एक बार फिर, यह एक ऐसी संस्कृति है जहां सार्वजनिक नग्नता को शर्मनाक माना जाता है। और इसलिए, डेविड के दूत आधी दाढ़ी और खुले नितंबों के साथ घर लौट रहे हैं।

और इसलिए हानून ने वास्तव में उनका अपमान किया है। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि प्राचीन निकट पूर्वी दुनिया में दूतों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जब तुम दूत को भेजते हो, तो दूत भेजनेवाले के पूरे अधिकार के साथ जाता है।

इसलिए जब आप दूत को देखते हैं, तो आप संक्षेप में स्वामी के साथ व्यवहार कर रहे होते हैं। और संदेशवाहक के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। जब आप दूत को देखते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे आपको सोचना चाहिए कि स्वामी स्वयं यहाँ है।

जो कुछ मैं दूत के साथ करूँगा वही स्वामी के साथ भी करूँगा। इसीलिए पुराने नियम में कई बार, प्रभु का दूत, प्रभु का दूत होता है, हिब्रू शब्द मैलाक का अनुवाद देवदूत के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अर्थ केवल दूत होता है। और इसलिए, प्रभु का दूत कभी-कभी ऐसे बोलता है मानो वह ईश्वर हो।

और जो मनुष्य उसका सामना करते हैं वे कभी-कभी ऐसी प्रतिक्रिया करते हैं मानो उन्होंने स्वयं ईश्वर को देखा हो। उगारिटिक बाल मिथक में, उगार इज़राइल के उत्तर में भूमध्यसागरीय तट पर स्थित एक स्थल था जो 1200 ईसा पूर्व में नष्ट हो गया था। लेकिन हमने वहाँ से टैबलेट और वहाँ से ऐसे पाठ खोजे हैं जो बहुत ज्ञानवर्धक हैं।

इस एक पौराणिक पाठ में, समुद्र के देवता, यम, उच्च देवता एल के अधिकार के तहत दुनिया पर राज करने की होड़ कर रहे हैं। और वह एक शत्रु है, तूफ़ान देवता, बाल देवता का कट्टर शत्रु। यम दिव्य सभा में दूत भेजते हैं।

और ये दूत उच्च देवता एल के सामने झुकने से इनकार करते हैं और वे अपने स्वामी, यम के शब्दों की रिपोर्ट करते हैं। यम ने यही कहा। और यह बहुत दिलचस्प है।

यम, देवता, समुद्र देवता, वहाँ नहीं है। उसके दूत हैं। लेकिन भगवान एल उन्हें ऐसे संबोधित करते हैं मानो वे यम हों।

वह उनसे ऐसे बात करता है मानो वह उनके मालिक से बात कर रहा हो और वह उनके माध्यम से सीधे उनके मालिक से बात करता है। और इसलिए, यह यहाँ गंभीर व्यवसाय है। दाऊद के दूतों के साथ इस प्रकार व्यवहार करके हानून वास्तव में दाऊद के साथ इस प्रकार का व्यवहार कर रहा है।

वह डेविड का अपमान कर रहा है और वह डेविड को बता रहा है कि वह उसके बारे में क्या सोचता है। तो, पद 5 में, इन सबके प्रकाश में, पद 5 में, जब दाऊद को इस बारे में बताया गया, तो उसने उन लोगों से मिलने के लिए दूत भेजे क्योंकि वे बहुत अपमानित हुए थे। और राजा ने कहा, जब तक तुम्हारी दाढ़ियाँ न बढ़ जाएं, तब तक यरीहो में रहो, और तब लौट आना।

इसलिए, वह उन्हें नहीं बताता है, उन सभी को साफ कर देता है और फिर से शुरू कर देता है। बस तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि दूसरा भाग वापस न आ जाए और हम आपको यहाँ तैयार कर देंगे। मुझे लगता है कि यह निहित है।

लेकिन डेविड उन्हें थोड़ी देर के लिए बर्फ पर रख देता है। दोस्तों, जब तक आपका अपमानजनक अनुभव खत्म नहीं हो जाता और हम सामान्य स्थिति में नहीं आ जाते, तब तक अकेले ही रहें। जब अम्मोनियों को एहसास हुआ, पद 6, कि वे दाऊद के लिए अप्रिय हो गए हैं,



तो वे बाहर जाने वाले थे और वे उनके लिए लड़ने के लिए कुछ अरामियों को किराये पर लेने जा रहे थे।

और यहां काफी ताकत जमा है। दाऊद को इसके बारे में पता चला और उसने योआब को लड़ने वालों की पूरी सेना के साथ बाहर भेज दिया। और इसलिए, डेविड के इस अपमान ने युद्ध को जन्म दे दिया है।

और अम्मोनियों ने निकलकर युद्ध की शृंखला तैयार की। योआब बाहर जाता है और वह स्थिति का सर्वेक्षण करता है। पद 9 में वह देखता है कि उसके सामने और पीछे युद्ध रेखाएँ थीं।

इसलिए, उसने इस्राएल में कुछ सर्वोत्तम सैनिकों को चुना और उन्हें अरामियों के विरुद्ध तैनात किया। उसने बाकी लोगों को अपने भाई अबीशै की कमान में रखा, और उन्हें अम्मोनियों के खिलाफ तैनात किया। जैसा कि आप देख सकते हैं, योआब और अबीशै, अपने सभी दोषों के लिए, और इस बिंदु पर वे दोनों हत्यारे हैं।

याद रखें, योआब ने अब्नेर की हत्या कर दी थी। अबीशै ने उसमें सहयोग किया था। अबीशै शाऊल पर भाला चलाने के लिये तैयार था।

ये सख्त लोग हैं। ये निपुण योद्धा हैं। और हम उनके खिलाफ न्याय लाने में डेविड की विफलता के बारे में पहले भी बात कर चुके हैं।

और मुझे लगता है कि शायद हम यहां कुछ हद तक देख सकें, आपका साथ पाकर अच्छा लगा। उनका आपके पक्ष में होना अच्छा है। और योआब ने कहा, यदि अरामी मुझ पर प्रबल हो जाएं, तो मुझे छुड़ाने के लिये आना।

परन्तु यदि अम्मोनी तुम पर बहुत प्रबल हो जाएं, तो मैं तुम्हें छुड़ाने के लिये आऊंगा। इसलिए, वह एक सौदा तय करता है जहां हमें आवश्यकता पड़ने पर सुट्टीकरण की आवश्यकता होगी। मजबूत बनो और हमें अपने लोगों और अपने परमेश्वर के शहरों के लिए बहादुरी से लड़ने दो।

यहोवा वही करेगा जो उसकी दृष्टि में अच्छा है। इसलिए योआब जैसा व्यक्ति भी कभी-कभी बहुत धार्मिक लग सकता है। और एक अजीब तरह से, मेरा मानना है कि वह प्रभु पर भरोसा कर रहा था।

लेकिन उनकी जीवनशैली हमेशा उनके पंथ से मेल नहीं खाती थी। लेकिन सेना की कमान संभालने के लिए ये अच्छे लोग हैं। और तब योआब और उसके संग की सेना अरामियों से लड़ने को आगे बढ़ी, और वे उसके साम्हने से भाग गए।

जब अम्मोनियों को मालूम हुआ कि अरामी भाग रहे हैं, तब वे अबीशै के साम्हने से भागे, और नगर के भीतर गए। अतः योआब अम्मोनियों से युद्ध करके लौट आया और यरूशलेम को आया। इसलिए, योआब और अबीशै ने इस गठबंधन पर एक बड़ी जीत में इस्राएल की सेना का नेतृत्व किया जो अम्मोनियों और अरामियों के साथ उनके खिलाफ बना था।

और वे एक तरह का सुधार करते हैं। पद 15, अरामियों ने देखा कि उन्हें इस्राएल द्वारा पराजित कर दिया गया है। वे पुनः संगठित हो गये।

और हदद एज्रा ने परात नदी के पार से अरामियों को बुलवाया। इसलिए, वे दूर-दूर से अतिरिक्त बल ला रहे हैं। और एक साथी है, वे हदद एज्रा की सेना के प्रधान शोबक के साथ हेलोम को गए, और उनका नेतृत्व किया।

और जब दाऊद को यह बताया गया, तब उस ने सारे इस्राएल को इकट्ठा किया, और यरदन पार होकर उस सेना से लड़ने को निकला। और वे इस्राएल के साम्हने से भाग गए। और दाऊद ने उनके सात सौ सारथियों और चालीस हजार प्यादोंको मार डाला।

और उस ने शोबक को मार डाला. और जब हदद एज्रा के अधीन सब राजाओं ने देखा, कि हम इस्राएल से हार गए हैं, तब उन्होंने इस्राएलियों से सन्धि कर ली, और उनके अधीन हो गए। और इसलिए, अरामी अब अम्मोनियों की सहायता करने से डरते थे।

हमारे पास इस गठबंधन का पर्याप्त सामान है। और इसलिए, यह परिच्छेद डेविड को बहुत सकारात्मक रोशनी में प्रस्तुत करता है। तो, यहाँ संक्षेप में कहें तो, डेविड क्या कर रहा है? खैर, वह इसराइल के चारों ओर दुश्मनों के खिलाफ बड़ी जीत हासिल कर रहा है।

वह प्रभु के युद्ध लड़ रहा है। वह उस वादे को निभा रहा है जो उसने बहुत पहले विशेष रूप से शाऊल और जोनाथन के परिवार से किया था। उन्होंने देश में न्याय की स्थापना की है।

वह वही कर रहा है जो एक राजा को करना चाहिए। वह रथ सेना बनाने और धन संचय करने के प्रलोभन का विरोध कर रहा है। डेविड एक राजा के रूप में अच्छा काम कर रहे हैं।

वह राजत्व का एक आदर्श स्थापित कर रहा है। और इसीलिए यह बहुत आश्चर्य की बात है जब आप अध्याय 11 पर आते हैं और हम पढ़ते हैं, वसंत ऋतु में, उस समय जब राजा युद्ध के लिए जाते थे, दाऊद ने योआब को राजा के लोगों और पूरी इस्राएली सेना के साथ बाहर भेजा। उन्होंने अम्मोनियों को नष्ट कर दिया और रब्बा को घेर लिया।

और फिर हिब्रू पाठ में, जिसे हम ऑफ़लाइन उपवाक्य कहते हैं। हिब्रू कथा में, आपके पास एक मुख्य कहानी है और एक निश्चित प्रकार का क्रिया रूप है जिसका उपयोग उस मुख्य पंक्ति को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। वे कभी-कभी उस मुख्य लाइन को बाधित कर देंगे।

ऐसा करने के तरीकों में से एक, वे विषय को पहले रखते हैं। किसी कथा में हिब्रू शब्द क्रम अक्सर पहले क्रिया और उसके बाद विषय होता है। लेकिन वे इस विषय को सामने रखेंगे।

वे आपका ध्यान खींचने के लिए विषय को पहले रखेंगे और इसे ऑफ़लाइन खंड कहा जाता है। और यह वे ऑफ़लाइन खंड हैं जो अक्सर महत्वपूर्ण होते हैं। यह कहानी को धीमा करने और कहने का एक तरीका है, इस पर ध्यान दें।

यह महज़ मूल जानकारी नहीं है। और ध्यान दें कि यहां श्लोक एक के अंत में ऑफ़लाइन खंड क्या है। परन्तु दाऊद यरूशलेम में ही रहा।

इसलिए, मैं इसे देख रहा हूँ और पिछले अध्यायों को पढ़ रहा हूँ जहां डेविड इज़राइल की सेनाओं को जीत की ओर ले जाता है। हां, वह योआब और अबीशै को बाहर भेजता है, लेकिन जब दबाव बढ़ने लगा, तो उसने सेना का नेतृत्व किया और उसने ये सभी महान जीत हासिल कीं। मुझे ऐसा लगता है कि यह वह समय है जब राजा युद्ध के लिए निकलते हैं।

उसने योआब को बाहर भेज दिया और वह यरूशलेम में रह गया। मुझे ऐसा लगता है जैसे हमारे सामने ऐसी स्थिति आ गई है जहां डेविड गलत समय पर गलत जगह पर है। और आप जीवन से जानते हैं, जब आप गलत समय पर गलत जगह पर होते हैं, तो बुरी चीज़ें घटित हो सकती हैं।

जब यह सच होता है तो चीज़ें हमेशा अच्छी नहीं होतीं। और यहीं पर डेविड है। और इसलिए, हम सोच रहे हैं कि इसमें कुछ अजीब बात है।

इसमें कुछ गड़बड़ लगती है। क्या इसकी वजह से डेविड मुसीबत में फंसने वाले हैं? यह कहानी किस ओर जा रही है? अपने अगले पाठ में, हम 2 सैमुअल अध्याय 11 और फिर अध्याय 12 के बारे में बात करेंगे, जो संभवतः डेविड के बारे में दूसरी सबसे प्रसिद्ध कहानी है। मेरा मानना है कि डेविड और गोलियथ सबसे प्रसिद्ध कहानी है।

लेकिन डेविड और बतशेबा का विवरण यहां आ रहा है। तो, हम इसे अभी वहीं छोड़ देंगे। लगता है डेविड गलत समय पर गलत जगह पर है।

जिस समय राजा युद्ध के लिए जाते हैं, वह सेना के साथ नहीं, बल्कि घर वापस आता है। और हम इसे अपने अगले पाठ में उठाएंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 20, 2 सैमुअल 8-10, युद्ध लड़ना और एक वादा निभाना है। डेविड ने राजत्व के लिए एक आदर्श स्थापित किया।